नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत सत्र 2023-24 से पाठ्यपुस्तकों को पुनर्संयोजित किया गया है। यह संजीव बुक्स पूर्णतः नवीन पुनर्संयोजित पाठ्यपुस्तकों पर आधारित है।

नं. 1

संजीव®

बुक्स

अर्थशास्त्र-XII

व्यष्टि अर्थशास्त्र एक परिचय (भाग-1)
एवं
समष्टि अर्थशास्त्र एक परिचय (भाग-2)

(कक्षा 12 के कला एवं वाणिज्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिए नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार)

- माध्य. शिक्षा बोर्ड, 2024 का प्रश्न-पत्र
- पाठ्यपुस्तक के सभी अभ्यास प्रश्नों का हल
- सभी प्रकार के अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश
- योग्य एवं अनुभवी लेखकों द्वारा लिखित
- प्रथम श्रेणी प्राप्त करने के लिए पूर्ण सामग्री

2025

संजीव प्रकाशन,
जयपुर

मूल्य : ₹ 360/-

- प्रकाशक :

  संजीव प्रकाशन

  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,

  जयपुर-3

  email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
  website : www.sanjivprakashan.com

- © प्रकाशकाधीन

- **मूल्य : ₹ 360.00**

- लेजर कम्पोजिंग :

  संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर

- मुद्रक :

  पंजाबी प्रेस, जयपुर

  *****

- इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं–

  email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
  पता : प्रकाशन विभाग संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर

  आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।
- इस पुस्तक में प्रकाशित किसी त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।
- सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

विषय-सूची

व्यष्टि अर्थशास्त्र एक परिचय–भाग-1

1. परिचय 1–20
2. उपभोक्ता के व्यवहार का सिद्धान्त 21–73
3. उत्पादन तथा लागत 74–118
4. पूर्ण प्रतिस्पर्धा की स्थिति में फर्म का सिद्धान्त 119–155
5. बाजार सन्तुलन 156–190

समष्टि अर्थशास्त्र एक परिचय–भाग-2

1. परिचय 191–203
2. राष्ट्रीय आय का लेखांकन 204–248
3. मुद्रा और बैंकिंग 249–277
4. आय और रोजगार के निर्धारण 278–304
5. सरकारी बजट एवं अर्थव्यवस्था 305–340
6. खुली अर्थव्यवस्था : समष्टि अर्थशास्त्र 341–368

❑❑❑

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2024

अर्थशास्त्र
(ECONOMICS)

समय : 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
6. प्रश्न-पत्र के हिन्दी व अंग्रेजी रूपान्तर में किसी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही मानें।
7. प्रश्न क्रमांक 16 से 22 में आन्तरिक विकल्प हैं। किसी एक विकल्प को हल कीजिए।

खण्ड-अ (SECTION-A)

1. बहुविकल्पी प्रश्न : **[15×1=15]**

Multiple Choice Questions :

(i) 'एन इन्क्वायरी इन्टू द नेचर एंड काउज ऑफ द वेल्थ ऑफ नेशंस' पुस्तक के लेखक हैं— [1]
(अ) कीन्स (ब) रिकार्डो (स) एडम स्मिथ (द) जे.के. मेहता

(ii) निम्न में से महामंदी का प्रभाव था— [1]
(अ) निर्गत में वृद्धि (ब) माँग में कमी (स) रोजगार में वृद्धि (द) श्रमिकों की भर्ती

(iii) 'रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया' की स्थापना कब हुई? [1]
(अ) 1947 (ब) 1952 (स) 1935 (द) 1969

(iv) निम्न में से संकुचित मुद्रा है— [1]
(अ) m_1 और m_2 (ब) m_1 (स) m_2 (द) m_3 और m_4

(v) सीमान्त बचत प्रवृत्ति का सूत्र है— [1]
(अ) MPS = $\Delta S/\Delta Y$ (ब) MPS = $\Delta C/\Delta Y$ (स) MPS = S/Y (द) MPS = C/Y

(vi) कागजी कर का उदाहरण है— [1]
(अ) उत्पादन कर (ब) सीमा शुल्क (स) सेवा कर (द) सम्पत्ति कर

(vii) सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के विनिवेश से सम्बन्धित है— [1]
(अ) राजस्व प्राप्तियाँ (ब) राजस्व व्यय (स) पूँजीगत प्राप्तियाँ (द) पूँजीगत व्यय

(viii) स्थिर विनिमय दर प्रणाली में विनिमय दर निर्धारक है— [1]
(अ) सरकार (ब) बैंक (स) बहुराष्ट्रीय निगम (द) धनी व्यक्ति

(ix) व्यष्टि अर्थशास्त्र का सम्बन्ध है— [1]
(अ) कुल निर्गत से (ब) रोजगार से
(स) समग्र कीमत स्तर से (द) वस्तुओं की कीमत से

(x) यह मुख्य आर्थिक समस्या नहीं है— [1]
(अ) क्या उत्पादन करे (ब) उत्पादन कैसे करे
(स) उत्पादन किसके लिए करे (द) निर्धन कैसे बने

(xi) विलासिता की वस्तुओं की माँग की लोच होती है— [1]
(अ) $e_D = 0$ (ब) $e_D = 1$ (स) $e_D < 1$ (द) $e_D > 1$

(xii) माँग वक्र की दिशा में गति का कारण है— [1]
(अ) वस्तु की कीमत (ब) अन्य वस्तुओं की कीमतें
(स) उपभोक्ता की आय (द) उपभोक्ता की रुचि

(xiii) कौनसा वक्र समस्तरीय सीधी रेखा है— [1]
(अ) कुल लागत वक्र (ब) औसत स्थिर लागत वक्र
(स) कुल स्थिर लागत वक्र (द) कुल परिवर्ती लागत वक्र

(xiv) शून्य निर्गत पर अल्पकालीन औसत लागत होती है— [1]
(अ) शून्य (ब) अधिकतम (स) अपरिभाषित (द) ये सभी

(xv) वस्तु के बाजार मूल्य तथा फर्म के निर्गत का गुणनफल है— [1]
(अ) कुल संप्राप्ति (ब) कुल लागत (स) औसत संप्राप्ति (द) औसत लागत

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : [7×1=7]

Fill in the blanks :

(i) उत्पादन क्षमता में वृद्धि लाने के लिए जो व्यय किया जाता है, उसे ..... व्यय कहते हैं। [1]
(ii) ब्याज की ऊँची दरों पर, फर्मों की प्रवृत्ति निवेश को ..... करने की होती है। [1]
(iii) जब कर से प्राप्त राशि आवश्यक आय से अधिक होती है, तो इसे बजट ..... कहा जाता है। [1]
(iv) चालू खाता सन्तुलन में होता है जब, चालू खाते में ..... चालू खाते के भुगतानों के बराबर होती है। [1]
(v) ..... उपयोगिता, कुल उपयोगिता में वह परिवर्तन है जो वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई के उपयोग से होता है। [1]
(vi) आगम तथा लागत के बीच अन्तर को फर्म का ..... कहते हैं। [1]
(vii) यदि किसी कीमत पर बाजार पूर्ति बाजार माँग से अधिक है, तो उस कीमत पर बाजार में ..... कहलाती है। [1]

3. अति लघूत्तरात्मक प्रश्न (Very Short Answer) : [10×1=10]

(i) राष्ट्रीय आय की परिभाषा दीजिए। [1]
(ii) निवल निवेश कैसे ज्ञात किया जाता है? [1]
(iii) बजट घोषणा पत्र का सम्बन्ध कितने वित्तीय वर्ष के लिए होता है? [1]
(iv) सकल प्राथमिक घाटा की गणना कीजिए, यदि सकल राजकोषीय घाटा 2,000 करोड़ रु. व निवल ब्याज दायित्व 400 करोड़ रु. है। [1]
(v) अधिकारिक कोष विक्रय क्या है? [1]
(vi) ब्याज दर विभेदक किसे कहते हैं? [1]
(vii) संसाधनों से क्या अभिप्राय है? [1]
(viii) विभिन्न क्रियाविधियाँ किस प्रकार कार्य करती हैं, यह बताने वाले आर्थिक विश्लेषण का नाम लिखिए। [1]
(ix) बजट रेखा पर इष्टतम बंडल कहाँ स्थित होगा? [1]
(x) फर्म के पूर्ति वक्र के दो निर्धारक तत्वों के नाम लिखिए। [1]

खण्ड-ब (SECTION-B)

लघूत्तरात्मक प्रश्न (Short Answer Questions) :

4. विमुद्रीकरण के धनात्मक प्रभावों को समझाइए। [2]
Explain the positive impacts of demonetisation.
5. सेटेरिस पारिबस की मान्यता को स्पष्ट कीजिए। [2]
Explain the assumption of Ceteris paribus.
6. मालसूची निवेश के दो कारणों का उल्लेख कीजिए। [2]
Mention two reasons for inventory investment.
7. यदि निशान्त की बचत 100 रु. है तो निर्गत गुणक ज्ञात कीजिए। [2]
If Nishant's savings is Rs. 100 then find the output multiplier.
8. अवमूल्यन एवं पुनर्मूल्यन में अन्तर कीजिए। [2]
Difference between Devaluation and Revaluation.
9. यदि भारत का आयात 190 मिलियन डॉलर तथा व्यापार सन्तुलन-50 मिलियन डॉलर है तो निर्यात की गणना कीजिए। [2]
If India's imports are 190 million dollars and trade balance is –150 million dollar's then calculate the exports.
10. अर्थव्यवस्था की कोई दो केन्द्रीय समस्याएँ लिखिए। [2]
Write any two central problems of economy.
11. गिफिन वस्तु किसे कहते हैं? उदाहरण देकर समझाइए। [2]
What is Giffen goods? Explain with examples.
12. स्थानापन्न वस्तुओं को परिभाषित कीजिए। [2]
Define substitute goods.

13. पैमाने के वृद्धिमान प्रतिफल को समझाइए। [2]
Explain the increasing Returns to scale.

14. निम्नतम निर्धारित कीमत को स्पष्ट कीजिए। [2]
Explain price floor.

15. फर्म के लाभ अलाभ बिन्दु से आप क्या समझते हैं? [2]
What do you understand by the break even point?

खण्ड-स (SECTION-C)

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न (Long Answer Questions) :

16. सरल अर्थव्यवस्था से आय के वर्तुल प्रवाह को समझाइए। [3]
Explain the circular flow of income in a simple Economy.

अथवा/OR

सकल घरेलू उत्पाद गणना की आय विधि को समझाइए।
Explain the income method of calculating Gross Domestic Product.

17. सरकारी बजट के घटक का रेखाचित्र बनाइए तथा गैर कर राजस्व प्राप्तियों को समझाइए। [2+1=3]
Draw a diagram of the components of the government budget and explain non tax revenue.

अथवा/OR

करों में कटौती से आय में होने वाले परिवर्तन को रेखाचित्र की सहायता से समझाइए।
Explain the effect of a reduction in taxes on the income with the help of diagram.

18. निम्न सारणी में कुल उत्पाद तथा सीमान्त उत्पाद की गणना कीजिए। [3]
Calculate total product and marginal product in the following table.

श्रम Labour	कुल उत्पाद Total Product	औसत उत्पाद Average Product	सीमान्त उत्पाद Marginal Product
1	—	12	—
2	—	14	—
3	—	15	—
4	—	16	—
5	—	15	—
6	—	14	—

अथवा/OR

यदि एक फर्म की कुल स्थिर लागत 10 रु. है तो निम्न सारणी में कुल परिवर्ती लागत तथा औसत स्थिर लागत की गणना कीजिए।
If total fixed cost of a firm is 10 Rs. Calculate total variable cost and average fixed cost in the following table.

निर्गत (इकाइयाँ) Outputs (units)	कुल लागत Total Cost TC	कुल परिवर्ती लागत Total Varibale Cost TVC	औसत स्थिर लागत Average Fix Cost AFC
0	10	—	—
1	20	—	—
2	32	—	—
3	42	—	—
4	50	—	—
5	55	—	—
6	57	—	—

19. 5 रुपये प्रति इकाई बाजार कीमत पर एक फर्म की संप्राप्ति 50 रुपये है। बाजार कीमत बढ़कर 10 रुपये हो जाती है। अब फर्म को संप्राप्ति 200 रुपये होती है। पूर्ति की कीमत लोच ज्ञात कीजिए। [3]
A firm earns a revenue of Rs. 50 when the market price of a good is Rs. 5. The market price increases to Rs. 10 and the firm now earns a revenue of Rs. 200. Calculate the price elasticity of supply.

अथवा/OR

निम्न सारणी का उपयोग कर पूर्ति की कीमत लोच ज्ञात कीजिए।
Calculate the price elasticity of supply using following table.

पेन की कीमत P Price of Pen	बेची गई मात्रा Q Quantity sold
पुरानी कीमत Old Price $P_1 = 10$	पुरानी मात्रा Old Quantity $Q_1 = 100$
नई कीमत New Price $P_2 = 15$	नई मात्रा New Quantity $Q_2 = 150$

खण्ड-द (SECTION-D)

निबन्धात्मक प्रश्न (Essay Type Questions) :

20. मुद्रा के कार्यों का वर्णन कीजिए। [4]
Describe the functions of the money.

अथवा/OR

निम्न की व्याख्या कीजिए– [2+2=4]
(i) नकद कोष अनुपात
(ii) वैधानिक तरलता अनुपात
Explain the following—
(i) Cash Reserve Ratio
(ii) Statutory Liquidity Ratio

21. उपभोक्ता की आय में परिवर्तन के कारण बजट सेट में होने वाले परिवर्तन को रेखाचित्र की सहायता से समझाइए। [2+2=4]
Explain with the help of a diagram the change in budget set due to changes in consumer's income.

अथवा/OR

वस्तुओं की कीमतों में परिवर्तन के कारण बजट सेट में होने वाले परिवर्तन को रेखाचित्र की सहायता से समझाइए। [2+2=4]
Explain with the help of a diagram the change in budget set due to changes in price of goods.

22. औसत स्थिर लागत वक्र की चित्र की सहायता से व्याख्या कीजिए। [2+2=4]
Explain the average fixed cost curve with the help of diagram.

अथवा/OR

अल्पकालीन सीमान्त लागत वक्र की चित्र की सहायता से व्याख्या कीजिए। [2+2=4]
Explain the short run marginal cost curve with the help of diagram.

अर्थशास्त्र कक्षा-XII (भाग-1)
व्यष्टि अर्थशास्त्र–एक परिचय

1. परिचय

पाठ-सार

सामान्य अर्थव्यवस्था–

समाज में लोगों को जीवन यापन के लिए विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं की आवश्यकता होती है। सामान्यत: एक व्यक्ति की सभी आवश्यकताएँ पूरी नहीं होती हैं। प्रत्येक व्यक्ति जितनी वस्तुओं या सेवाओं का उपभोग करना चाहता है उनमें से कुछ ही उसे उपलब्ध हो पाती हैं। समाज में लोग विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन करते हैं तथा इस उत्पादन का एक अंश वे अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने में करते हैं। हर व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपने संसाधनों का उपयोग कर सकता है, किन्तु लोगों की आवश्यकताएँ अधिक होती हैं तथा उनकी पूर्ति के लिए उसके पास संसाधन सीमित होते हैं। अत: लोग वस्तुओं एवं सेवाओं में से कुछ का चयन करने को बाध्य हो जाते हैं तथा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सीमित संसाधनों का उत्कृष्ट प्रयोग करना पड़ता है।

समाज का प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी वस्तु या सेवा का उत्पादन करता है। किसी भी अर्थव्यवस्था में लोगों की सामूहिक आवश्यकताओं तथा उनके द्वारा किए गए उत्पादन के बीच सुसंगतता होनी चाहिए। यदि किसी वस्तु या सेवा की पूर्ति माँग की तुलना में कम है तो दूसरी वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के लिए उपयोग में लाए जा रहे संसाधनों का पुन: विनिधान उस वस्तु के उत्पादन के लिए किया जा सकता है। समाज के सामने सीमित संसाधनों का विनिधान तथा अन्तिम वस्तुओं एवं सेवाओं का वितरण मूलभूत आर्थिक समस्याएँ हैं।

अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याएँ–प्रत्येक समाज को उत्पादन, विनिमय तथा उपभोग जैसी आधारभूत आर्थिक क्रियाओं में संसाधनों की कमी का सामना करना पड़ता है, जिस कारण चयन की समस्या का जन्म होता है। अर्थव्यवस्था की प्रमुख केन्द्रीय समस्याएँ निम्न प्रकार हैं—

(1) किन वस्तुओं का उत्पादन किया जाए और कितनी मात्रा में?

(2) इन वस्तुओं का उत्पादन कैसे करते हैं?

(3) इन वस्तुओं का उत्पादन किसके लिए किया जाए?

उपलब्ध संसाधनों की कुल मात्रा के परिप्रेक्ष्य में उन संसाधनों का विभिन्न रूपों में विनिधान संभव है और उससे सभी संभावित वस्तुओं तथा सेवाओं के विभिन्न मिश्रणों को प्राप्त किया जा सकता है। उपलब्ध संसाधनों की मात्रा तथा उपलब्ध प्रौद्योगिक ज्ञान के द्वारा उत्पादित की जा सकने वाली सभी वस्तुओं तथा सेवाओं के सभी संभावित संयोगों के समूह को अर्थव्यवस्था का उत्पादन संभावना सेट कहते हैं तथा इनसे निर्मित वक्र को सीमान्त उत्पादन संभावना कहते हैं। प्रत्येक अर्थव्यवस्था को अपने पास उपलब्ध अनेक संभावनाओं में से किसी एक का चयन करना पड़ता है।

आर्थिक क्रियाकलापों का आयोजन–अर्थव्यवस्था की आधारभूत समस्याओं का निम्न तरीकों से समाधान किया जा सकता है—

(1) केन्द्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था–केन्द्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था के अन्तर्गत सरकार अथवा केन्द्रीय सत्ता द्वारा वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन, विनिमय तथा उपभोग से सम्बद्ध सभी महत्त्वपूर्ण निर्णय किए जाते हैं।

(2) बाजार अर्थव्यवस्था–केन्द्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था के विपरीत बाजार अर्थव्यवस्था में सभी आर्थिक क्रियाकलापों का निर्धारण बाजार की स्थितियों के अनुसार होता है। बाजार अर्थव्यवस्था में उत्पादन, विनिमय तथा उपभोग सम्बन्धी निर्णय बाजार शक्तियों अर्थात् माँग एवं पूर्ति की शक्तियों के द्वारा होता है। बाजार अर्थव्यवस्था में केन्द्रीय समस्याओं के समाधान हेतु कीमत के माध्यम से विभिन्न आर्थिक क्रियाकलापों में समन्वय होता है।

इन दोनों अर्थव्यवस्थाओं के अतिरिक्त मिश्रित अर्थव्यवस्थाओं में महत्त्वपूर्ण निर्णय सरकार द्वारा लिए जाते हैं तथा आर्थिक क्रियाकलाप प्रायः बाजार द्वारा ही किए जाते हैं।

सकारात्मक तथा आदर्शक अर्थशास्त्र–अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याओं को सुलझाने हेतु अनेक विधियाँ हैं, किन्तु कौनसी विधि किसी अर्थव्यवस्था के लिए सबसे अच्छी है, इसका पता लगाने हेतु इन कार्यविधियों का तथा इनके परिणामों का विश्लेषण करना पड़ता है। ये दो प्रकार का हो सकता है—

(1) सकारात्मक आर्थिक विश्लेषण–सकारात्मक आर्थिक विश्लेषण के अन्तर्गत हम यह अध्ययन करते हैं कि विभिन्न क्रियाविधियाँ किस प्रकार कार्य करती हैं।

(2) आदर्शक आर्थिक विश्लेषण–आदर्शक आर्थिक विश्लेषण में हम यह समझने का प्रयास करते हैं कि ये क्रियाविधियाँ अर्थव्यवस्था के अनुकूल भी हैं या नहीं।

व्यष्टि अर्थशास्त्र तथा समष्टि अर्थशास्त्र–अर्थशास्त्र की विषय-वस्तु का अध्ययन निम्न दो व्यापक शाखाओं के अन्तर्गत किया जाता रहा है—

(1) व्यष्टि अर्थशास्त्र–व्यष्टि अर्थशास्त्र के अन्तर्गत हम बाजार में उपलब्ध विभिन्न वस्तुओं तथा सेवाओं के परिप्रेक्ष्य में विभिन्न आर्थिक अभिकर्त्ताओं के व्यवहार का अध्ययन करके यह जानने का प्रयास करते हैं कि इन बाजारों में व्यक्तियों की अंतःक्रिया द्वारा वस्तुओं तथा सेवाओं की मात्राएँ और कीमतें किस प्रकार निर्धारित होती हैं।

(2) समष्टि अर्थशास्त्र–समष्टि अर्थशास्त्र के अन्तर्गत हम कुल निर्गत, रोजगार तथा समग्र कीमत स्तर आदि समग्र उपायों पर अपना ध्यान केन्द्रित करते हुए पूरी अर्थव्यवस्था को समझने का प्रयास करते हैं। समष्टि अर्थशास्त्र में हम अर्थव्यवस्था के कार्य निष्पादन की समग्र अथवा समष्टिगत उपायों के व्यवहार का अध्ययन करने का प्रयास करते हैं।

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न

प्रश्न 1. अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याओं की विवेचना कीजिए।

उत्तर–अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याएँ–प्रत्येक समाज में वस्तुओं एवं सेवाओं के उत्पादन, विनिमय तथा उपभोग के दौरान लोगों को संसाधनों की कमी का सामना करना पड़ता है जिस कारण उनके सम्मुख चयन की मुख्य समस्या उत्पन्न हो जाती है। सीमित संसाधनों का विनिधान तथा अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं का वितरण ही किसी भी अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याएँ हैं। सामान्यतः एक अर्थव्यवस्था की प्रमुख केन्द्रीय समस्याएँ निम्न प्रकार हैं—

(1) किन वस्तुओं का उत्पादन किया जाए और कितनी मात्रा में ?–प्रत्येक समाज अथवा अर्थव्यवस्था के सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि अर्थव्यवस्था में किन-किन वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन किया जाए तथा कितनी मात्रा में उत्पादन किया जाए? इस समस्या के अन्तर्गत अर्थव्यवस्था में यह निर्णय किया जाता है कि कृषिजनित वस्तुओं का उत्पादन किया जाए या औद्योगिक वस्तुओं का, शिक्षा पर अधिक व्यय किया जाए या सैन्य सेवाओं पर, बुनियादी शिक्षा पर अधिक व्यय किया जाए या उच्च शिक्षा पर, उपभोग वस्तुओं का उत्पादन किया जाए या पूँजीगत वस्तुओं का। इसके साथ ही यह भी निर्णय किया जाता है कि इन वस्तुओं एवं सेवाओं का कितनी मात्रा में उत्पादन किया जाए ताकि अर्थव्यवस्था की आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके।

(2) इन वस्तुओं का उत्पादन कैसे करते हैं?–एक अर्थव्यवस्था की दूसरी महत्त्वपूर्ण केन्द्रीय समस्या यह है कि विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं से उत्पादन करते समय किस-किस वस्तु या सेवा में किस-किस संसाधन की कितनी मात्रा का उपयोग किया जाए? इसके अन्तर्गत यह निर्णय लिया जाता है कि उत्पादन करते समय श्रम का अधिक उपयोग करना है अथवा मशीनों का अधिक उपयोग करना है तथा उत्पादन करने हेतु किस तकनीक का प्रयोग किया जाए?

(3) इन वस्तुओं का उत्पादन किसके लिए किया जाए?—एक अर्थव्यवस्था की यह महत्त्वपूर्ण समस्या है कि अर्थव्यवस्था में उत्पादित वस्तुओं की कितनी मात्रा किसे प्राप्त होगी अर्थात् अर्थव्यवस्था के उत्पादन को व्यक्ति विशेष के बीच किस प्रकार विभाजित किया जाएगा? इसके अन्तर्गत यह निर्णय लिया जाता है कि उत्पादन को विभिन्न व्यक्तियों में इस प्रकार विभाजित किया जाए ताकि सभी लोगों की उपभोग की न्यूनतम आवश्यकताएँ पूरी हो सकें। साथ ही यह निर्णय किया जाता है कि क्या शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सेवाएँ अर्थव्यवस्था के सभी व्यक्तियों को निःशुल्क उपलब्ध करवायी जाएँ?

प्रश्न 2. अर्थव्यवस्था की उत्पादन संभावनाओं से आपका क्या अभिप्राय है?

उत्तर—किसी अर्थव्यवस्था में उपलब्ध संसाधनों की मात्रा तथा उपलब्ध प्रौद्योगिकीय ज्ञान के द्वारा उत्पादित की जा सकने वाली सभी वस्तुओं तथा सेवाओं के सभी संभावित संयोगों के समूह को अर्थव्यवस्था की उत्पादन संभावनाएँ कहते हैं।

प्रश्न 3. सीमांत उत्पादन संभावना क्या है?

उत्तर—अर्थव्यवस्था में उपलब्ध संसाधनों की मात्रा तथा उपलब्ध प्रौद्योगिकीय ज्ञान के द्वारा उत्पादित की जा सकने वाली सभी वस्तुओं तथा सेवाओं के सभी संभावित संयोगों के समूह को अर्थव्यवस्था का उत्पादन संभावना सेट कहते हैं। इन उत्पादन संभावना सेटों अथवा समूह के आधार पर बनाए गए वक्र को सीमान्त उत्पादन संभावना कहते हैं।

प्रश्न 4. अर्थव्यवस्था की विषय-वस्तु की विवेचना कीजिए।

उत्तर—अर्थव्यवस्था की विषय-वस्तु का अध्ययन निम्न दो व्यापक शाखाओं के अन्तर्गत किया जा सकता है—

(1) व्यष्टि अर्थशास्त्र—व्यष्टि अर्थशास्त्र में विभिन्न आर्थिक अभिकर्ताओं के व्यवहार का अध्ययन कर बाजार में वस्तुओं एवं सेवाओं की मात्राओं एवं कीमतों का निर्धारण किया जाता है।

(2) समष्टि अर्थशास्त्र—समष्टि अर्थशास्त्र के अन्तर्गत हम कुल निर्गत, रोजगार तथा समग्र कीमत आदि समग्र उपायों पर अपना ध्यान केन्द्रित करते हुए पूरी अर्थव्यवस्था को समझने का प्रयास करते हैं।

प्रश्न 5. केन्द्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था तथा बाजार अर्थव्यवस्था के भेद को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—

केन्द्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था	बाजार अर्थव्यवस्था
1. इसमें अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्रियाकलाप सरकार अथवा केन्द्रीय सत्ता द्वारा निर्धारित होते हैं।	1. इसमें अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्रिया-कलाप बाजार द्वारा निर्धारित होते हैं।
2. इसमें कीमतें सरकार द्वारा निर्धारित होती हैं।	2. इसमें कीमतें बाजार की माँग तथा पूर्ति की शक्तियों द्वारा निर्धारित होती हैं।

प्रश्न 6. सकारात्मक आर्थिक विश्लेषण से आपका क्या अभिप्राय है?

उत्तर—सकारात्मक आर्थिक विश्लेषण से अभिप्राय उस विश्लेषण से है, जिसके अंतर्गत हम यह अध्ययन करते हैं कि विभिन्न क्रियाविधियाँ किस प्रकार कार्य करती हैं।

प्रश्न 7. आदर्शक आर्थिक विश्लेषण से आपका क्या अभिप्राय है?

उत्तर—आदर्शक आर्थिक विश्लेषण से अभिप्राय उस विश्लेषण से है, जिसके अंतर्गत हम इस बात का अध्ययन करते हैं कि कौन-सी कार्यविधियाँ हमारे अनुकूल हैं और कौन-सी प्रतिकूल हैं।

प्रश्न 8. व्यष्टि अर्थशास्त्र तथा समष्टि अर्थशास्त्र में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—

व्यष्टि अर्थशास्त्र	समष्टि अर्थशास्त्र
1. व्यष्टि अर्थशास्त्र में अर्थव्यवस्था की वैयक्तिक आर्थिक इकाइयों का अध्ययन किया जाता है।	1. समष्टि अर्थशास्त्र में अर्थव्यवस्था का वृहद् एवं एक समग्र के रूप में अध्ययन होता है।
2. अर्थशास्त्र की इस शाखा में वैयक्तिक उपभोग, वैयक्तिक कीमतों, वस्तुओं एवं सेवाओं के उत्पादन आदि का अध्ययन किया जाता है।	2. अर्थशास्त्र की इस शाखा में सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था के सामान्य मूल्य, कुल उपभोग, कुल उत्पादन और राष्ट्रीय आय आदि का अध्ययन किया जाता है।

3. व्यष्टि अर्थशास्त्र में विभिन्न बाजारों का अध्ययन किया जाता है।	3. समष्टि अर्थव्यवस्था में समग्र अर्थव्यवस्था का अध्ययन किया जाता है।
4. यह वैयक्तिक समस्याओं का समाधान एवं नीति प्रस्तुत करता है।	4. यह राष्ट्रीय या सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था की समस्या के समाधान एवं उचित नीति उपलब्ध कराता है।
5. व्यष्टि अर्थव्यवस्था का अध्ययन काफी सरल है।	5. समष्टि अर्थव्यवस्था का अध्ययन काफी जटिल है।
6. व्यष्टि अर्थशास्त्र का सम्बन्ध कीमत विश्लेषण से है।	6. समष्टि अर्थशास्त्र का सम्बन्ध आय विश्लेषण से है।
7. इस विश्लेषण का मुख्य उपकरण कीमत प्रणाली है।	7. इस विश्लेषण का मुख्य उपकरण राष्ट्रीय आय विश्लेषण है।
8. अत: व्यष्टि अर्थशास्त्र के अन्तर्गत हम बाजार में उपलब्ध विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं के परिप्रेक्ष्य में विभिन्न आर्थिक अभिकर्ताओं के व्यवहार का अध्ययन करके यह जानने का प्रयास करते हैं कि इन बाजारों में व्यक्तियों की अंत:क्रिया द्वारा वस्तुओं तथा सेवाओं की मात्राएँ और कीमतें किस प्रकार निर्धारित होती हैं।	8. अत: समष्टि अर्थशास्त्र में हम कुल निर्गत, रोजगार तथा समग्र कीमत स्तर आदि समग्र उपायों पर अपना ध्यान केन्द्रित करते हुए पूरी अर्थव्यवस्था को समझने का प्रयास करते हैं।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

वस्तुनिष्ठ प्रश्न–

1. केन्द्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण निर्णय कौन लेता है? **(माध्य. शिक्षा बोर्ड, 2023)**
   (अ) सरकार (ब) बाजार
   (स) बैंक (द) उपभोक्ता
2. एक वस्तु की अधिक मात्रा प्राप्त करने के लिए दूसरी वस्तु की कुछ मात्रा छोड़नी पड़ती है। इसे कहते हैं—
   (अ) सामाजिक लागत (ब) अवसर लागत
   (स) स्पष्ट लागत (द) मौद्रिक लागत
3. किसी एक वस्तु की कुछ अतिरिक्त इकाइयों को प्राप्त करने हेतु दूसरी वस्तु की जितनी मात्रा छोड़नी पड़ती है, उसे कहा जाता है—
   (अ) मौद्रिक लागत (ब) कुल लागत
   (स) अवसर लागत (द) सामाजिक लागत
4. वह विश्लेषण जिसके अन्तर्गत हम यह अध्ययन करते हैं कि विभिन्न क्रियाविधियाँ किस प्रकार कार्य करती हैं, कहलाता है—
   (अ) आदर्शक विश्लेषण
   (ब) सकारात्मक आर्थिक विश्लेषण
   (स) मौद्रिक विश्लेषण
   (द) आंशिक विश्लेषण
5. वह विश्लेषण जिसके अन्तर्गत हम इस बात का अध्ययन करते हैं कि कौन-सी कार्यविधियाँ हमारे अनुकूल हैं और कौन-सी प्रतिकूल हैं, कहलाता है—
   (अ) आदर्शक विश्लेषण
   (ब) सामान्य विश्लेषण
   (स) सकारात्मक विश्लेषण
   (द) वास्तविक विश्लेषण
6. अर्थशास्त्र की वह शाखा जिसमें वैयक्तिक इकाइयों का विश्लेषण किया जाता है, कहलाती है—
   (अ) समष्टि अर्थशास्त्र
   (ब) व्यष्टि अर्थशास्त्र
   (स) मौद्रिक अर्थव्यवस्था
   (द) विकास का अर्थशास्त्र
7. अर्थशास्त्र की वह शाखा जिसमें समग्र अर्थव्यवस्था का अध्ययन किया जाता है, कहलाती है—
   (अ) व्यष्टि अर्थशास्त्र (ब) मौद्रिक अर्थशास्त्र
   (स) समष्टि अर्थशास्त्र (द) लोक वित्त अर्थशास्त्र